1/4/2020

Part B - Ch-4 INTER

~~Long Answer~~

Q1 परमाणु अप्रसारण संधि पर भारत ने हस्ताक्षर क्यों नहीं किए?

Ans → 1968 में संयुक्त राज्य अमरीका तथा सोवियत संघ के बीच यह संधि हुई थी। जिसे 1970 में संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने अपना लिया। यह 25 वर्षीय संधि थी लेकिन 1995 में इसकी अवधि अनिश्चित काल के बढ़ा दी गई। इस संधि के अन्तर्गत यह कहा गया कि पाँच बड़ी शक्तियाँ (अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, सोवियत संघ व चीन) किसी भी अन्य देश को अपनी परमाणु ऊर्जा या तकनीकी का हस्तांतरण नहीं करेगी। यदि किसी अन्य राज्य ने किसी परमाणु शक्ति से ऊर्जा या तकनीकी प्राप्त की तो वह केवल शांतिपूर्ण प्रयोजन के लिए हो सकेगा तथा अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा ~~अभी~~ अभिकरण उसका निरीक्षण करेगा। भारत की दृष्टि में यह संधि भेदभावकारी है क्योंकि यह किसी अन्य देश को परमाणु शक्ति बनने से रोकती है तथा रचनात्मक कार्यों के लिए परमाणु परीक्षणों पर रोक लगाती है।

Scanned by CamScanner

Part B Ch-4

Q2. एकध्रुवीयता का क्या अर्थ है? उसके बचने के लिए भारत ने क्या रणनीति अपनाई है?

Ans ⇒ एकध्रुवीयता का अर्थ है विश्व में किसी एक महाशक्ति के प्रभुत्व का होना। वही शक्ति स्थापित कर सकती है न छोटे राज्यों के बीच युद्ध करवा सकती है। महाशक्ति अपना दबाव डालकर अन्य देशों की स्वतंत्र विदेश नीति को नियंत्रित कर सकती है। अन्य देश उसी महाशक्ति के इर्द गिर्द घूमते हैं। अब अमरीकी प्रभुत्व का युग है। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर डटा हुआ है। वह किसी के दबाव में आकर काम नहीं करता। यही कारण है कि अमरीकी दबाव के बावजूद भारत ने परमाणु अप्रसारण संधि तथा व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए। अब भारत विश्व के अनेक देशों — जर्मनी, फ्रांस, जापान, रूसी संघ तथा अनेक संगठनों — जैसे — यूरोपीय संघ व आसियान के साथ निकट संबंध बनाकर अमरीकी दबाव से बचना चाहता है।

Scanned by CamScanner

Part-B ch-4

Q3. ताशकंद व शिमला समझौतों का महत्व बताइए।

Ans → 1965 की लड़ाई में भारत ने पाकिस्तान को हराया और उसके लाहौर क्षेत्र के कुछ स्थानों पर भारतीय सेना ने कब्जा कर लिया। 1966 के ताशकंद समझौते के तहत भारत ने ये कब्जा हटा कर ये क्षेत्र पाकिस्तान को लौटा दिए, ताकि दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध बने रहे। साथ ही यह तय किया गया कि दोनों देश वार्तालाप से अपनी समस्याओं का समाधान करेंगे। 1971 में पाकिस्तान ने भारत पर फिर आक्रमण किया। इस बार भी उसे करारी पराजय का मुंह देखना पड़ा। 1972 के शिमला समझौते के तहत बंगलादेश को मुक्त कराया गया, युद्ध-बंदियों को वापसी हुई तथा यह तय किया गया कि दोनों देश आपसी बातचीत से अपने विवादों का निपटारा करेंगे।

ताशकंद समझौते पर भारतीय प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री अयूब खान द्वारा 10 जनवरी 1966 को हस्ताक्षर किये गए थे।

शिमला समझौते से भा० प्र० मंत्री इंदिरा गांधी और पा० प्र० मंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो द्वारा 3 जुलाई 1972 को हस्ताक्षर किए गए।

Scanned by CamScanner

# Part - B - Ch - 4

Q4. भारतीय विदेश नीति के किन्हीं 2 सूत्रों का वर्णन कीजिए?

Ans ⇒ प्रधानमंत्री नेहरू ने गुट निरपेक्षता की नीति शीत युद्ध के दौरान बनाई। इसको स्वतंत्र विदेश नीति भी कहा गया। नेहरू के उत्तराधिकारियों ने इसी नीति का अनुसरण किया। इसके दो प्रमुख सूत्र हैं। — (i) अन्तर्राष्ट्रीय शांति सुरक्षा व सहयोग में विश्व के सभी देशों के साथ रहना। (ii) निश्चित अवधि की भीतर नि:शस्त्रीकरण का लक्ष्य पूरा करना लेकिन रचनात्मक कार्यों के लिए परमाणु ऊर्जा का विकास करना।

Q5 भारत ने गुट निरपेक्षता की नीति क्यों अपनाई

Ans ⇒ भारत द्वारा गुट निरपेक्ष नीति को अपनाने के निम्न कारण थे — (i) भारत शीत युद्ध से दूर रहना चाहता था। (ii) अपनी विदेश नीति को भारत स्वतंत्र रूप देना चाहता था। (iii) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वह गुटों से दूर रहना चाहता था।

Scanned by CamScanner

'Part-B' ch-4

Q6. 1965 के भारत पाकिस्तान युद्ध के क्या कारण थे?

Ans → अक्टूबर 1958 में पाकिस्तान में सैनिक शासक फील्ड मार्शल अयूब खाँ राष्ट्रपति बने। 1962 में चीन के हाथों भारत की पराजय ने उन्हें प्रेरित किया कि कश्मीर की समस्या को बलपूर्वक हल किया जाए। अतः सितंबर 1965 में पाकिस्तान ने कश्मीर पर आक्रमण कर दिया और इस बार उसे करारी पराजय का मुँह देखना पड़ा।

Q7. भारत की परमाणु नीति के बारे में संक्षेप में लिखे।

Ans → भारत की परमाणु नीति की निम्न मुख्य विशेषताएँ हैं —

(1) भारत अपनी परमाणु क्षमता का शांतिपूर्ण और रचनात्मक कार्यों में प्रयोग करेगा।

(2) भारत किसी प्रकार की भेदभावपूर्ण परमाणु संधि पर हस्ताक्षर नहीं करेगा।

(3) भारत अपनी न्यूनतम परमाणु प्रतिरोधक क्षमता बनाये रखेगा।

(4) भारत किसी अन्य देश पर परमाणु हमले की पहल नहीं करेगा किंतु यदि कोई देश भारत के विरुद्ध इस तरह का कार्य करता है तो उसके विरुद्ध व्यापक परिमाणविक कार्यवाही की जायगी।

Scanned by CamScanner